विवरणिका
2019-20

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से लगभग दस किलोमीटर दूर नागपुर-मुम्बई हाइवे पर उमरी गाँव के निकट पंचटीला पर अवस्थित है। निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़ है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश-दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। आज के बहुभाषा-भाषी विश्व में एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान स्थापित करना विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ एवं प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कोलकाता तथा इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र चल रहे हैं जहाँ कई पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2011 से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह-परिकल्पना की गई है। इसके लिए आधुनिकतम तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को विश्वविद्यालय की 'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) की सहायता से संचालित किया जा रहा है। पारंपरिक पुस्तकालय के साथ डिज़िटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक-ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भ-कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

कुलपति का संदेश...

प्रिय छात्र छात्राओं !

अकादमिक सत्र : 2019-20 हेतु विश्वविद्यालय परिसर में आपका स्वागत।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत भारती हिंदी को केंद्र में रख कर विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का सृजन करने और समर्थ युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान के रूप में की गई। विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा होती है कि वहाँ से उपजते नए विचार और नवाचार जीवन की गुणवत्ता के संवर्धन में सहायक होंगे। सूचना और ज्ञान के विस्फोट के वर्तमान युग में शिक्षा संस्थानों के लिए ज्ञान को व्यापक समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना एक जटिल चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में यह विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को एक जीवंत शैक्षिक और सांस्कृतिक परिवेश उपलब्ध कराता है जहाँ विविध सृजनात्मक प्रवृत्तियों के विकास पर बल दिया जाता है। यहाँ पर माननीय राष्ट्रपति और कुलाध्यक्ष ने भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद तथा निर्वचन, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान, शिक्षा तथा प्रबंधन के विद्यापीठों में अध्ययन-अध्यापन और शोध की अनुमति दी है। इसके अतिरिक्त विधि विद्यापीठ की भी अनुमति मिल गई है, जो आवश्यक व्यवस्था के पश्चात शीघ्र ही आरंभ होगा। इस समय संचालित शैक्षिक विभाग इस प्रकार हैं: हिंदी तथा तुलनात्मक साहित्य, जनसंचार, शिक्षाशास्त्र, संस्कृत, उर्दू, मराठी, अंग्रेजी, स्पेनी, चीनी, फ्रांसीसी, जापानी, प्रदर्शनकारी कला (थिएटर और फिल्म), भाषिक अभियान्त्रिकी तथा सूचनाविज्ञान, गांधी अध्ययन, दलित तथा जनजाति अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, स्त्री अध्ययन, डायस्पोरा अध्ययन, मनोविज्ञान, प्रबंधन, भाषाविज्ञान एवं भाषा-प्रौद्योगिकी, अनुवाद अध्ययन, मानवविज्ञान, समाजकार्य। इन विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन-अध्यापन और शोध किया जाता है। हिंदी अधिगम तथा प्रशिक्षण केंद्र द्वारा हिंदी भाषा के बहुविध प्रयोग को समर्थ बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। यहाँ विदेशी छात्रों के लिए हिंदी के अध्ययन की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा निदेशालय बी-एड. के साथ अनेक विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

इस विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों तथा कल्पनाशीलता तथा अनुभवपरक सीखने के अवसरों के साथ-साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्त्व दिया जाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहाँ के प्राकृतिक परिवेश और अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ आप एक सक्रिय विद्यार्थी के रूप में आगे बढ़ सकेंगे। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि नैक (NAAC) द्वारा मूल्यांकन के पश्चात् विश्वविद्यालय को "A" Grade प्रदान किया गया है जो विश्वविद्यालय के उच्च शैक्षिक स्तर का द्योतक है।

मुझे विश्वास है कि महात्मा गांधी और महान संत विनोबा भावे की कर्मभूमि में स्थित यह विश्वविद्यालय आपके समग्र व्यक्तित्व का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टियों से विकास करते हुए एक योग्य व्यक्ति बनने का अवसर देगा। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि विश्वविद्यालय के अध्यापक और कर्मचारी आपके अध्ययन को सफल बनाने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराएँगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

अनुक्रम

1.	विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र	04
2.	क्षेत्रीय केंद्र एवं दूर शिक्षा निदेशालय	08
3.	विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम (मुख्य परिसर, वर्धा)	09
4.	विश्वविद्यालय में क्षेत्रीय केंद्रों पर संचालित पाठ्यक्रम (कोलकाता एवं इलाहाबाद)	14
5.	दूर शिक्षा के पाठ्यक्रम	14
6.	अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम	15
7.	शुल्क-विवरण	16
8.	च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रारूप	18
9.	बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम : ऐच्छिक विषय समूह	21
10.	बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना	22
11.	प्रवेश के नियम	23
12.	उपलब्ध सुविधाएँ	24
13.	अकादमिक कैलेंडर	26
14.	प्रवेश-परीक्षा कार्यक्रम	27

श्री राम नाथ कोविंद
कुलाध्यक्ष

प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी
कुलाधिपति

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
कार्यकारी कुलसचिव

क़ादर नवाज़ ख़ान
वित्त अधिकारी

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र

भाषा विद्यापीठ

भाषा विद्यापीठ की स्थापना विश्वविद्यालय के साथ ही वर्ष 1997 में हुई। विद्यापीठ की संकल्पना भाषा केंद्रित अध्ययन के एक अनूठे केंद्र के रूप में की गई है। हिंदी भाषा का विकास, प्रोन्नयन और पहचान स्थापित करना विद्यापीठ का मुख्य उद्देश्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हिंदी की प्रभावी प्रकार्यात्मक क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में उसका विकास विद्यापीठ का अभीष्ट लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ की मुख्य कार्य-योजना इस प्रकार है :

1. हिंदी भाषा के सभी पक्षों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन।
2. हिंदी एवं उसकी आधार भाषाओं (अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मारवाड़ी, मालवी आदि) संबंधी सर्वेक्षण-अध्ययन।
3. हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
4. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध ज्ञान को हिंदी के लिए सुलभ बनाना।
5. हिंदी के लिए तकनीकी उपकरणों, सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी का विकास।
6. भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र संबंधी मौलिक ज्ञान का हिंदी में सृजन।
7. हिंदी के क्षितिज-विस्तार के लिए विदेशी भाषाओं का अध्ययन।
8. अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन।

इस कार्य-योजना के क्रियान्वयन के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और विविध प्रकार के विस्तार कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। कार्य-योजना के कार्यान्वयन के लिए भाषा विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र स्थापित किए गए हैं :

1. **भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग**
   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स), एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी, एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी, पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी, पी. जी. डिप्लोमा भाषाविज्ञान ।
2. **सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र**
   केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग, एम.फिल. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, पी-एच.डी. इंफोर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज़ इंजीनियरिंग, पीजीडीसीए।
3. **विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र**
   केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. (ऑनर्स) : चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच तथा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम : चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच। अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम।

साहित्य विद्यापीठ

साहित्य विद्यापीठ की स्थापना विश्वविद्यालय के साथ ही वर्ष 1997 में हुई । साहित्य विद्यापीठ हिंदी के साथ-साथ भारतीय एवं विश्व साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के लिए समर्पित है। विश्वविद्यालय के उद्देश्य में ही निहित है कि हिंदी भारतीय भाषाओं से संवाद करती हुई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध रहा है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधि है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग संचालित किए जा रहे हैं :

1. **हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. हिंदी (ऑनर्स), एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. तुलनात्मक साहित्य, एम.फिल. हिंदी साहित्य, पी-एच.डी. हिंदी साहित्य ।

2. **प्रदर्शनकारी कला विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एवं थिएटर), एम.फिल. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एवं थिएटर), पी-एच. डी. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एवं थिएटर), बी.वोकः फ़िल्म निर्माण, बी.वोकः अभिनय एवं मंच विन्यास।

3. **अंग्रेजी साहित्य विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. अंग्रेजी (ऑनर्स), एम.ए. अंग्रेजी साहित्य, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

4. **उर्दू साहित्य विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. उर्दू साहित्य, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

5. **मराठी साहित्य विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. मराठी साहित्य, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

6. **संस्कृत साहित्य विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. संस्कृत साहित्य, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

संस्कृति विद्यापीठ

संस्कृति विद्यापीठ की स्थापना 1997 में हुई। संस्कृति विद्यापीठ सांस्कृतिक अध्ययन,समाज विज्ञान विमर्श एवं बहुसांस्कृतिक अकादमिक विकास के लक्ष्य के प्रति समर्पित है। विद्यापीठ की गतिविधियाँ सामाजिक न्याय, सातत्य एवं शांतिपूर्ण विकास के मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। हिंदी भाषा में गंभीर समाज विज्ञान विमर्श, अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध के माध्यम से समाज व संस्कृति के सम्मुख प्रस्तुत चुनौतियों के अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाधान की तलाश, वंचित एवं हाशिए के समूहों की बराबरी के संघर्ष को प्रस्तुत करना इस विद्यापीठ के प्रमुख लक्ष्यों में से है।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विभाग / केंद्र संचालित किए जा रहे हैं :

1. **गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन, एम.फिल. गांधी एवं शांति अध्ययन, पी-एच. डी. गांधी एवं शांति अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमा : मानवाधिकार।

2. **स्त्री अध्ययन विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. स्त्री अध्ययन, एम.फिल. स्त्री अध्ययन, पी-एच. डी. स्त्री अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमाः स्त्री एवं मीडिया।

3. **डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर-सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र**

   केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, एम.फिल. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, पी-एच. डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमा : दलित विचार।

4. **डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र**

   केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. बौद्ध अध्ययन, एम. फिल. बौद्ध अध्ययन, पी-एच. डी. बौद्ध अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमाः बौद्ध अध्ययन।

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद एवं निवर्चन विद्यापीठ की स्थापना विश्वविद्यालय के साथ ही वर्ष 1997 में हुई। 'अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ' अनुवाद के पारंपरिक एवं अधुनातन साधनों का उपयोग करके हिंदी को समस्त ज्ञानानुशासनों के अध्ययन-अध्यापन तथा शोध की माध्यम भाषा बनाने और विश्व भर में फैले भारतवंशियों के विविध पक्षीय अवदान के मूल्यांकन हेतु प्रवासन एवं डायस्पोरा के अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। इस विद्यापीठ के प्रमुख कार्यक्रम हैं:

1. अनुवाद कौशल तथा निर्वचन की प्रणालियों का अध्ययन एवं शोध।
2. तुलनात्मक एवं अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु अनूदित सामग्री का निर्माण व संग्रह।
3. फ़िल्म, टेलीविजन, रेडियो, पत्रकारिता, पर्यटन, कार्यालय, बाजार आदि विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद व निर्वचन के प्रयोग का प्रशिक्षण तथा रोजगारोन्मुख कार्यक्रम ।
4. प्रवासन एवं डायस्पोरा के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक व भाषाई पक्षों पर केंद्रित अध्ययन व शोध।
5. भारतीय डायस्पोरा और भारतवंशियों की विश्व को देन का अध्ययन।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग संचालित किए जा रहे हैं:

1. **अनुवाद अध्ययन विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. अनुवाद अध्ययन, एम.फिल. अनुवाद अध्ययन, पी-एच. डी. अनुवाद अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमा : अनुवाद।

2. **प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एम.ए. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, एम.फिल. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पी-एच. डी. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पी. जी. डिप्लोमा : भारतीय डायस्पोरा।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2010 में हुई। यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के माध्यम से समाज विज्ञान के नवाचारी एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। समाज में जनमत निर्माण, मीडिया हस्तक्षेप, समाज कार्य शोध एवं हस्तक्षेप, भारतीय समाज की मानवशास्त्रीय व्याख्या आदि अकादमिक एवं व्यावहारिक विमर्श इस विद्यापीठ की गतिविधियों का लक्ष्य हैं। अपने विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से यह विद्यापीठ सीधे समाज से जुड़कर अपनी शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को संपन्न कर रहा है। विद्यापीठ का लक्ष्य श्रेष्ठ अकादमिक विमर्श केंद्र के रूप में स्थापित होना है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित विभाग/केंद्र संचालित किए जा रहे हैं :

1. **जनसंचार विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (ऑनर्स), एम.ए. जनसंचार, एम.फिल. जनसंचार, पी-एच.डी. जनसंचार।

2. **मानवविज्ञान विभाग**

   विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम-बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत), एम.ए. मानवविज्ञान, एम.फिल. मानवविज्ञान, पी-एच.डी. मानवविज्ञान, डिप्लोमा : फोरेंसिक साइंस।

3. **महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र**

   केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.एस.डब्ल्यू., एम.एस. डब्ल्यू., एम.फिल. सोशलवर्क, पी-एच. डी. सोशलवर्क, पी. जी. डिप्लोमा : सामुदायिक सहभागिता।

4. **राजनीति विज्ञान विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. राजनीति विज्ञान (ऑनर्स), एम.ए. राजनीति विज्ञान।

5. **समाजशास्त्र विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. समाजशास्त्र (ऑनर्स), एम.ए. समाजशास्त्र।

6. **इतिहास विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. इतिहास (ऑनर्स), एम.ए. इतिहास।

शिक्षा विद्यापीठ

शिक्षा विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2010 में हुई। व्यक्ति और समाज के लिए शिक्षा की भूमिका सर्वयुगीन है। इस दायित्व के निर्वहन में शिक्षकों का योगदान केन्द्रीय होता है। इस आशय के साथ शिक्षा विद्यापीठ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर और सार्वभौमिक शिक्षा की लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में क्रमशः आगे बढ़ रहा है। शिक्षा विद्यापीठ भावी शिक्षक की कल्पना एक ऐसे विचारवान व्यक्ति के रूप में करता है जो विद्यार्थियों के प्रति तदनुभूति से युक्त सामाजिक समरसता की चुनौतियों के प्रति आलोचनात्मक नजरिए वाला और स्वयं को जीवन पर्यंत सीखने वाले की भूमिका में देखता है। यहाँ भावी शिक्षकों को समग्र विकास का ऐसा परिवेश उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे समर्थ, प्रतिबद्ध, समीक्षात्मक दृष्टि से युक्त और शिक्षा कार्य के लिए अभिप्रेरित शिक्षक बन सकें। यह पाठ्यक्रम अध्येताओं को भारतीय शिक्षा व्यवस्था से परिचित कराएगा। इसके साथ ही समाज और पर्यावरण के प्रति संवदेनशील बनाने का भी प्रयास करेगा।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग संचालित किए जा रहे हैं :

1. **शिक्षा विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम-पी-एच.डी. शिक्षा शास्त्र, एम.फिल. शिक्षा शास्त्र,एम.एड., बी-एड. तथा डिप्लोमा : भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)।

2. **मनोविज्ञान विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - बी.ए. मनोविज्ञान (ऑनर्स), एम.ए. मनोविज्ञान तथा पी.जी. डिप्लोमाः परामर्श और निर्देशन।

प्रबंधन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय में प्रबंधन विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2010 में हुई। इस विद्यापीठ में वर्तमान परिवेश की प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा में प्रबंधन तथा वाणिज्य से जुड़े रोज़गारपरक नवाचारी पाठ्यक्रम आरंभ किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य हिंदी तथा हिंदीतर भाषियों के लिए बाज़ार की माँग को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन से संबंधित ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना तथा प्रबंधन एवं वाणिज्य के सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान से भी परिचित कराना है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग संचालित हैं :

1. **प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग**

विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम - एमबीए।

विभिन्न विभागों / पाठ्यक्रमों संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए
विश्वविद्यालय की वेबसाइट : www.hindivishwa.org पर लॉगइन करें।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र एवं दूर शिक्षा निदेशालय

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

ऐकतान, ईजेडसीसी, आईए-290, सेक्टर 3, साल्ट लेक, कोलकाता - 97 (प.बं.)
☎ 033 - 22900147

इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। इस केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के पाठ्यक्रमों को विशेषतः उत्तर-पूर्व के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिए की गई। इस केंद्र का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की जनजातीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के साहित्य तथा संस्कृति के साथ हिंदी का संबंध प्रगाढ़ करना तथा उनसे साहित्यिक-सांस्कृतिक संबंध जोड़ना; पूर्वोत्तर भारत और सार्क देशों की भाषाओं के बीच समन्वय की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा हिंदी माध्यम से अध्ययन, शोध और नवाचार के अनेक उपक्रमों तथा अनुवाद के माध्यम से कोलकाता केंद्र को पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का अनुशीलन केंद्र और सार्क देशों का अध्ययन केंद्र बनाना है।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

24/28, सरोजिनी नायडू मार्ग, सिविल लाइंस, इलाहाबाद - 211001 (उ.प्र.)
☎ 0532 - 2424442

इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। इस केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के पाठ्यक्रमों को स्थानीय विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिए की गई। इस केंद्र का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से उच्च शिक्षा को व्यापक जनसमुदाय - विशेषतः वंचित समूहों- को उपलब्ध कराना; ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन एवं शोध का अवसर प्रदान करना तथा शिक्षा की अभिनव, लचीली एवं मुक्त व्यवस्थाओं को दूर शिक्षा के माध्यम से उपलब्ध कराना है।

दूर शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके-विशेष तौर पर हाशिए पर शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री-अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्व शांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिंदी में मौलिक-वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध दूर शिक्षा निदेशालय यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम शोध-अनुसंधान द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अन्य अनुशासनों में मौलिक सृजन करे; साथ ही, दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुख पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्त्वपूर्ण है।

पी-एच.डी.

पाठ्यक्रम	विषय	सीट	शोध क्षेत्र	अनुषंगी/संबद्ध विषय
पी-एच.डी.	इन्फोर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इजीनियरिंग	02	(भाषाविज्ञान/एनएलपी)	भाषाविज्ञान/भाषा प्रौद्योगिकी/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान/ अनुवाद प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी/ कंप्यूटर साइंस/कंप्यूटर इंजीनियरिंग
	स्पेनिश	04	(स्पेनिश भाषा एवं संस्कृति हिस्पानिक (स्पेनिश व लैटिन अमेरिकी साहित्य / विदेशी भाषा शिक्षण)	एम.ए. स्पेनिश अथवा किसी भी मानविकी विषय में स्नातकोत्तर तथा स्पेनिश एडवांस्ड डिप्लोमा उत्तीर्ण
	चीनी	04	(चीनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, चीन-भारत संबंध, विदेशी भाषा शिक्षण)	एम.ए. चीनी उत्तीर्ण
	हिंदी साहित्य	18	(आदिकाल से लेकर बीसवीं शताब्दी पर्यंत हिंदी कविता/काव्यशास्त्र)	तुलनात्मक साहित्य/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/ भाषाविज्ञान/ संगीत/अनुवाद अध्ययन/ ललित कलाएँ/ नाटक/प्रयोजनमूलक हिंदी
	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म तथा थिएटर)	04	भारतीय शास्त्रीय रंगमंच तथा सौंदर्य, पारंपारिक नाट्य, दक्षिणपूर्व एशियाई रंगमंच, नृत्य, संगीत, सिनेमा तथा रंगमंच के अंतर्संबंध	तुलनात्मक साहित्य/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/ संगीत/ललित कलाएँ/नाटक
	गांधी एवं शांति अध्ययन	01	(गांधी दर्शन एवं विचार/शांति और संघर्ष समाधान/मानवाधिकार/पर्यावरण/आधुनिक भारतीय इतिहास, संचार, संस्कृति अध्ययन)	मानविकी एवं समाजविज्ञान के कोई भी विषय
	अनुवाद अध्ययन	01	स्त्री साहित्य	अनुवाद अध्ययन/साहित्य/भाषाविज्ञान/ अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
	बौद्ध अध्ययन	03	बौद्ध अध्ययन/पालि/दर्शनशास्त्र/संस्कृत/ प्राचीन इतिहास	बौद्ध अध्ययन/पालि/दर्शनशास्त्र/संस्कृत/ प्राचीन इतिहास
	जनसंचार	02	डायस्पोरा देशों में हिंदी पत्रकारिता	पत्रकारिता एवं जनसंचार
	मानवविज्ञान	01	चिकित्सा मानवविज्ञान	मानवशास्त्र/समाजशास्त्र/फोरेंसिक साइंस
	सोशल वर्क	06	ग्रामीण विकास, गांधी अध्ययन, सामुदायिक संगठन जनस्वास्थ्य, कुटीर उद्योग, लैंगिक अध्ययन,पर्यावरण संरक्षण	एम.एस. डब्ल्यू
	शिक्षाशास्त्र	10	विज्ञान शिक्षा, गुणात्मक अनुसंधान, शैक्षिक प्रशासन एवं नेतृत्व, शिक्षा मनोविज्ञान, शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, शिक्षण शास्त्र, भारतीय मनोविज्ञान, भाषा शिक्षा, भारतीय विद्या, विकल्प शिक्षा, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, शिक्षा का नव समाजशास्त्र, शैक्षिक तकनीकी, पाठ्यचर्या अध्ययन, बालिका शिक्षा	शिक्षाशास्त्र
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55 % (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) / दिव्यांगों के लिए 50%) अंकों के साथ संबंधित / संबद्ध विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण।			
अवधि :	न्यूनतम 06 सेमेस्टर (03 वर्ष) तथा अधिकतम 12 सेमेस्टर (06 वर्ष)			

एम.फिल.

पाठ्यक्रम	विषय	सीट	अनुषंगी/संबद्ध विषय
एम.फिल.	भाषा प्रौद्योगिकी	09	भाषाविज्ञान/भाषा प्रौद्योगिकी/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान/अनुवाद/अनुवाद प्रौद्योगिकी अथवा किसी भी विषय में स्नातकोत्तर तथा भाषा शिक्षण/भाषाविज्ञान/ भाषा प्रौद्योगिकी में पी.जी. डिप्लोमा
	कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान	05	भाषाविज्ञान/भाषा प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान/कम्प्यूटर साइंस/ अनुवाद/ अनुवाद प्रौद्योगिकी
	स्पेनिश	01	एम.ए. स्पेनिश अथवा किसी भी मानविकी विषय में स्नातकोत्तर तथा स्पेनिश एडवांस्ड डिप्लोमा उत्तीर्ण
	हिंदी साहित्य	18	तुलनात्मक साहित्य/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/ भाषाविज्ञान/संगीत/अनुवाद अध्ययन/ललित कलाएँ/ नाटक/प्रयोजनमूलक हिंदी
	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म तथा थिएटर)	04	तुलनात्मक साहित्य/हिंदी अथवा अन्य कोई साहित्य/ संगीत/ललित कलाएँ/नाटक
	गांधी एवं शांति अध्ययन	07	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के सभी विषय
	स्त्री अध्ययन	02	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के सभी विषय
	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	04	दलित एवं जनजातीय अध्ययन/समाजशास्त्र/इतिहास
	बौद्ध अध्ययन	02	बौद्ध अध्ययन/पालि/दर्शनशास्त्र/संस्कृत/प्राचीन इतिहास
	अनुवाद अध्ययन	02	अनुवाद अध्ययन/साहित्य/भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	02	जनसंचार/साहित्य/इतिहास/समाजशास्त्र/स्त्री अध्ययन मनोविज्ञान/मानवविज्ञान/राजनीति विज्ञान/गांधी अध्ययन
	जनसंचार	06	पत्रकारिता/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया/मीडिया प्रबंधन/ जनसंपर्क एवं विज्ञापन
	मानवविज्ञान	05	मानवशास्त्र/समाजशास्त्र/फोरेंसिक साइंस
	सोशल वर्क	06	एम.एस. डब्ल्यू
	शिक्षाशास्त्र	09	शिक्षाशास्त्र
	चीनी	01	चीनी भाषा, साहित्य, संस्कृति
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55 %(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 50%) अंकों के साथ संबंधित/संबद्ध विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण।		
अवधि :	04 सेमेस्टर (02 वर्ष)		

स्नातकोत्तर (एम.ए.) :	पाठ्यक्रम	सीटें	पाठ्यक्रम	सीटें
	भाषा प्रौद्योगिकी	17	गांधी एवं शांति अध्ययन	17
	मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग*	17	स्त्री अध्ययन	17
	हिंदी साहित्य	33	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	17
	तुलनात्मक साहित्य	17	बौद्ध अध्ययन	17
	अंग्रेजी साहित्य	22	अनुवाद अध्ययन	17
	उर्दू साहित्य	17	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	17
	मराठी साहित्य	17	जनसंचार	33
	संस्कृत साहित्य	17	मानवविज्ञान	15
	परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एंड थिएटर)	33	एमएसडब्ल्यू	55
	राजनीति विज्ञान	17	मनोविज्ञान	33
	समाजशास्त्र	17	इतिहास	17

अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/**अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण। * किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से बी.सी.ए., बी.एस.सी. आईटी, बी.एस.सी. मैथ, बी.ई., बी.टेक., बी.एस.सी. कम्प्यूटर एवं समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/**अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण।
अवधि :	04 सेमेस्टर
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।

स्नातकोत्तर :	❖ एम.बी.ए.
अर्हता :	किसी भी अनुशासन अथवा विषय में न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/**अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन वाले विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।
अवधि :	04 सेमेस्टर
सीटें :	44
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर।

स्नातकोत्तर :	एम.एड.
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से निम्नलिखित कार्यक्रमों में कम से कम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/ दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष ग्रेड होने चाहिये-
1	1. बी.एड. 2. बी.ए. बी.एड./बी.एससी.बी.एड. 3. बी.एल.एड. 4. अवर स्नातक उपाधि के साथ डी.एल.एड. (प्रत्येक में 50% अंक)
अवधि :	04 सेमेस्टर
सीटें :	50
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर।

एकीकृत पाठ्यक्रम :	बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण।
अवधि :	10 सेमेस्टर
सीटें :	15
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।
टिप्पणी :	आरंभिक 06 सेमेस्टर पूर्ण कर पाठ्यक्रम छोड़ने पर बी.ए. (ऑनर्स) मानवविज्ञान की उपाधि दी जाएगी तथा पाठ्यक्रम के कुल 10 सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर विद्यार्थियों को बी.ए. (ऑनर्स) एवं एम.ए. मानवविज्ञान की उपाधि दी जाएगी।

स्नातक पाठ्यक्रम :	पाठ्यक्रम	सीटें	पाठ्यक्रम	सीटें
	बी.ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स)	17	बी.ए. स्पेनिश (ऑनर्स)	17
	बी.ए. हिंदी (ऑनर्स)	17	बी.ए. फ्रेंच (ऑनर्स)	17
	बी.ए. अंग्रेजी (ऑनर्स)	22	बी.ए. चीनी (ऑनर्स)	17
	बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (ऑनर्स)	33	बी.ए. जापानी (ऑनर्स)	17
	बी.ए. मनोविज्ञान (ऑनर्स)	17	बी.एस.डब्ल्यू.	55
	बी.ए. समाजशास्त्र (ऑनर्स)	17	बी.वोक. फ़िल्म निर्माण	33
	बी.ए. राजनीति विज्ञान (ऑनर्स)	17	बी.वोक. अभिनय एवं मंच विन्यास	33
	बी.ए. इतिहास (ऑनर्स)	17		
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण।			
अवधि :	06 सेमेस्टर			
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।			

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातक :	❖ **बी-एड.**
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ स्नातक / स्नातकोत्तर या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण। विज्ञान और गणित विषय में विशेषज्ञता और 55% अंकों के साथ इंजीनियरिंग या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण छात्र भी आवेदन कर सकते हैं।
अवधि :	04 सेमेस्टर
सीटें :	50 (15 सीट भाषा विषय (हिंदी, संस्कृत, मराठी एवं अंग्रेज़ी); 15 सीट सामाजिक विज्ञान; 10 सीट विज्ञान एवं 10 सीट गणित विषय के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी विषय विशेष में अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अन्य विषय के उपलब्ध अभ्यर्थियों से रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।)
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम	सीटें	पाठ्यक्रम	सीटें
पी.जी. डिप्लोमा :	भाषाविज्ञान	17	परामर्श एवं निर्देशन	55
	पी.जी.डी.सी.ए.	22	बौद्ध अध्ययन	17
	मानवाधिकार	17	अनुवाद	22
	स्त्री एवं मीडिया	17	भारतीय डायस्पोरा	17
	दलित विचार	11	सामुदायिक सहभागिता	17
डिप्लोमा :	❖ फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)			
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण।			
अवधि :	02 सेमेस्टर			
सीटें :	फोरेंसिक साइंस 17			
प्रवेश :	न्यूनतम अर्हता परीक्षा के मेरिट के आधार पर।			

डिप्लोमा :	**❖ चीनी ❖ जापानी ❖ फ्रेंच ❖ स्पेनिश ❖ भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)**
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण तथा **संबद्ध विषय में सर्टिफिकेट अनिवार्य**।
अवधि :	02 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक विदेशी भाषा में 22, भारतीय शास्त्रीय संगीत 22
प्रवेश :	न्यूनतम अर्हता परीक्षा के मेरिट के आधार पर।
सर्टिफिकेट :	**❖ चीनी ❖ जापानी ❖ फ्रेंच ❖ स्पेनिश ❖ अंग्रेजी ❖ उर्दू ❖ मराठी ❖ संस्कृत**
अर्हता :	किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण।
अवधि :	02 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक विदेशी भाषा में 22 तथा भारतीय भाषाओं में : अंग्रेजी 66, उर्दू 17, मराठी 11, संस्कृत 11
प्रवेश :	न्यूनतम अर्हता परीक्षा के मेरिट के आधार पर।

* विदेशी भाषा : सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा एकीकृत पाठ्यक्रम है।

भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातकोत्तर :	**❖ एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)**
अर्हता :	अभियांत्रिकी या कंप्यूटर के समकक्ष और संबद्ध विषय में स्नातक अथवा एम.सी.ए./एम.एस.सी. न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण।
अवधि :	04 सेमेस्टर **सीटें :** 20 **प्रवेश :** लिखित परीक्षा के आधार पर
माध्यम :	हिंदी

शुल्क विवरण एम.टेक. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क	स्टूडियो/ प्रयोगशाला शुल्क	पुस्तकालय शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क	चिकित्सा शुल्क	विद्यार्थी शुल्क	कुल
सेमेस्टर-1	13225	16000	5000	125	10000	100	75	25	600	50	100	45300
सेमेस्टर-2	13000	16000	×	125	10000	100	×	×	600	×	×	39825
सेमेस्टर-3	13000	16000	×	125	10000	100	75	×	600	50	100	40050
											कुल राशिः	165000

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों पर संचालित पाठ्यक्रम, क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातकोत्तर (एम.ए.) :	**❖ एम.एस.डब्ल्यू. ❖ राजनीति विज्ञान ❖ स्त्री अध्ययन**
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगो के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।
अवधि :	04 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक पाठ्यक्रम में 33
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।

पाठ्यक्रम	विषय
पी.जी.डिप्लोमा :	**❖ अनुवाद**
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) उत्तीर्ण।
अवधि :	02 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक पाठ्यक्रम में 17
प्रवेश :	न्यूनतम अर्हता परीक्षा के मेरिट के आधार पर।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातकोत्तर (एम.ए.) :	**❖ हिंदी साहित्य**
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगो के लिए 45%) अंक के साथ उत्तीर्ण।
अवधि :	04 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक पाठ्यक्रम में 17
प्रवेश :	लिखित परीक्षा के आधार पर। लिखित परीक्षा की तिथि संबंधित विभाग द्वारा घोषित की जाएगी।

पाठ्यक्रम	विषय
पी.जी.डिप्लोमा :	**❖ अनुवाद**
अर्हता :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक (10+2+3) उत्तीर्ण।
अवधि :	02 सेमेस्टर
सीटें :	प्रत्येक पाठ्यक्रम में 17
प्रवेश :	न्यूनतम अर्हता परीक्षा के मेरिट के आधार पर।

दूर शिक्षा निदेशालय के पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	विषय
स्नातकोत्तर : (एम.ए.)	❖ एम.बी.ए. ❖ एम.एस.डब्ल्यू. ❖ जर्नलिज़्म एंड मास कम्यूनिकेशन ❖ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस ❖ हिंदी ❖ राजनीति विज्ञान ❖ समाजशास्त्र ❖ इतिहास
स्नातक :	❖ बी-एड. ❖ बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस ❖ बैचलर ऑफ जर्नलिज़्म
पी.जी. डिप्लोमा :	❖ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एंड फिल्म प्रोडक्शन ❖ जर्नलिज़्म एंड मास कम्यूनिकेशन ❖ पीजीडीसीए
डिप्लोमा :	❖ डीसीए
टिप्पणी :	उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी अर्हता, शुल्क, प्रवेश प्रक्रिया आदि के संबंध में जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा दूर शिक्षा निदेशालय की विवरणिका देखें।
संपर्क :	फ़ोन (07152) 251613, 241040, 247146 **वेबसाइट :** www.hindivishwa.org/distance
टोल फ्री.नं :	18002331575 (सोमवार से शुक्रवार,समय प्रातः 10:00 से 5:00 बजे तक)

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय का भाषा विद्यापीठ अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है। अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों- जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरिशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि देशों के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं/कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाद्वीपों के 11 देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है। ये देश हैं- श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन।

संचालित पाठ्यक्रम :

क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य/अर्हता
1	आधार पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है।
2	अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी जिन्होंने कम-से-कम 1 सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम पूरा किया है।
3	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।)	हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम
4	बी.ए. हिंदी, भाषा, साहित्य और संस्कृति	6 सेमेस्टर	10+2 और/डिप्लोमा पाठ्यक्रम (यदि हिंदी भाषा व्यवहार में दक्षता नहीं है तो)
5	एम.ए.हिंदी	4 सेमेस्टर	बी. ए. हिंदी, भाषा, साहित्य और संस्कृति
6	पी-एच.डी.	6-12 सेमेस्टर	संबद्ध विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य
टिप्पणी : जिन विश्वविद्यालयों के साथ महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा का अनुबंध (MoU) है, उनके विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता आधारित अन्य पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे।			

शुल्क : 240 USD प्रतिमाह (शिक्षण शुल्क, छात्रावास (वातानुकूलित कक्ष), भोजन (शाकाहारी/मांसाहारी-सुबह का नाश्ता, दिन और रात्रि भोजन), पंजीयन शुल्क, परीक्षा शुल्क, इंटरनेट, व्यायामशाला शामिल)

विवरणिका शुल्क : 25 USD

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई-फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा-स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र।

प्रवेश : पी-एच.डी. में प्रवेश के इच्छुक शोधार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश-प्रक्रिया में शामिल होना होगा। अन्य पाठ्यक्रमों के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता होने पर प्रवेश-परीक्षा से छूट दी गयी है। किंतु केंद्र द्वारा हिंदी दक्षता संबंधी परीक्षा ली जा सकती है। प्रवेश होने की स्थिति में उन्हें निम्नलिखित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे-

1. छात्र वीज़ा (अन्य प्रकार के वीज़ा मान्य नहीं) 2. चिकित्सा प्रमाणपत्र (भारत सरकार द्वारा निर्धारित)
3. अर्हता (तुल्यता) प्रमाण पत्र।

संपर्क : फ़ोनः +91-7152-251661, ई-मेलः academic.mgahv@gmail.com

शुल्क-विवरण

पी-एच.डी.

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	पंजीयन शुल्क	परीक्षा शुल्क	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य/ शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
पी-एच.डी. (समस्त पाठ्यक्रम)	2000	2500	350	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	500	75	25	600	50	100	6200

एम.ए./एम.एड./एम.बी.ए./एम.एस.डब्ल्यू./बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान (एकी.)/एम.फिल.

शुल्क मद/ पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य/ शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
एम.ए. श्रेणी- 01	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
एम.ए. श्रेणी- 02	300	1000	250	250		100	75	25	600	50	100	2750
एम.ए. श्रेणी- 03	300	1500	250	250		100	75	25	600	50	100	3250
एम.एड.	3000	5000	550	250		100	75	25	600	50	100	9750
एम.बी.ए.	2500	3000	550	250		100	75	25	600	50	100	7250
एम.फिल.(समस्त पाठ्यक्रम)	1500	1000	250	250		100	75	25	600	50	100	3950

श्रेणी: 01 भाषा प्रौद्योगिकी, उर्दू, अनुवाद अध्ययन, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवविज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, मराठी, बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत), राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास।

श्रेणी: 02 मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एंड थिएटर), जनसंचार, एम.एस.डब्ल्यू. प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, मनोविज्ञान

श्रेणी: 03 मास्टर ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग।

बी.एस.डब्ल्यू./बी.वोक./बी.ए. (ऑनर्स)/बी.एड.

शुल्क/मद पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	स्टूडियो/प्रयोगशाला/ क्षेत्रीय कार्य/ शैक्षणिक भ्रमण शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
बीएसडब्ल्यू/बी.वोक./ बी.ए. (ऑनर्स)/बी.एड.	300	500	250	250	विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक द्वारा विद्यार्थियों के साथ परामर्श कर आवश्यकतानुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा।	100	75	25	600	50	100	2250
बी-एड.	2000	4000	550	250		100	75	25	600	50	100	7750

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस्ड डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

शुल्क विवरण/मद	प्रवेश शुल्क	शिक्षण शुल्क	इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	प्रयोगशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रतिदेय)	पुस्तकालय शुल्क	चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
श्रेणी-1	300	800	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2500
श्रेणी-2	300	1000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	2700
श्रेणी-3	300	1000	600	500	250	250	50	50	25	75	100	3200
श्रेणी-4	300	2000	600	000	250	250	50	50	25	75	100	3700
श्रेणी-5	300	1000	600	1000	250	250	50	50	25	75	100	3700
श्रेणी-6	300	2000	600	1000	250	250	50	50	25	75	100	4700

श्रेणी 01 - सर्टिफिकेट (मराठी, उर्दू, संस्कृत), डिप्लोमा भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन)

श्रेणी 02 - पी.जी.डिप्लोमाः अनुवाद, स्त्री एवं मीडिया, बौद्ध अध्ययन, मानवाधिकार, भारतीय डायस्पोरा, भाषाविज्ञान, दलित विचार।

श्रेणी 03 - सर्टिफिकेट (फ्रेंच,चीनी,स्पेनिश,जापानी,अंग्रेजी)

श्रेणी 04 - डिप्लोमा (फ्रेंच, चीनी, स्पेनिश, जापानी), पी.जी.डिप्लोमाः सामुदायिक सहभागिता, परामर्श और निर्देशन।

श्रेणी 05 - डिप्लोमा इन फोरेंसिक साइंस (अंशकालिक)।

श्रेणी 06 - पी.जी.डी.सी.ए.

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रारूप

विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतर्गत मूल/ऐच्छिक/अनिवार्य पाठ्यचर्याओं का सामान्य विवरण यहाँ प्रस्तुत है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप परिवर्तन/परिवर्धन संभव होगा जिसके लिए सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति आवश्यक होगी ।

पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	पाठ्यचर्या			
				आधार		मूल (CORE) (कुल 14 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर)	ऐच्छिक (कुल 6 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर)
				अनिवार्य	ऐच्छिक		
पी-एच.डी.	न्यूनतम -6 अधिकतम-12	100 (एम.फिल.) 120 (एम.ए.)	1 क्रेडिट = 30 घंटे	कोर्स वर्क-16 क्रेडिट (04 अतिरिक्त क्रेडिट विभाग द्वारा तय किया जाएगा) एम.फिल.उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को इससे मुक्त रखा जाएगा।	....	शोध प्रबंध- 60 क्रेडिट मौखिकी- 20 क्रेडिट टीचिंग एसोशिएटशिप - 10 क्रेडिट (विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक द्वारा संयुक्त प्रदत्त) शोध एसोशिएटशिप- 10 क्रेडिट (शोध निर्देशक द्वारा प्रदत्त)	....
एम.फिल	4	कुल = 60 क्रेडिट कोर्सवर्क- 16 क्रेडिट शोधप्रबंध- 36 क्रेडिट मौखिकी- 08 क्रेडिट	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	**पाठ्यचर्या = 16 क्रेडिट** (प्रथम दो सेमेस्टर में विभाजित होगा) शोध प्रविधि- 8 क्रेडिट कंप्यूटर अनुप्रयोग- 4 क्रेडिट विषय आधारित- 4 क्रेडिट अंतरविषयक अध्ययन - 4 क्रेडिट (वैकल्पिक) शोधप्रबंध- 36 क्रेडिट मौखिकी- 08 क्रेडिट	....
एम.ए./ एम.बी.ए./ एमएसडब्ल्यू/ एम.एड.	4	80 (20 x 4) 56 (70% अनिवार्य) + 24 (30% ऐच्छिक)	1 क्रेडिट = 30 घंटे	1.कंप्यूटर अनुप्रयोग-2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) 2. चयनित भाषा पाठ्यचर्या- 4 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	1. भारतीय चिंतक 2. पर्यावरण 3. मानवाधिकार 4. भारत का संविधान (4 क्रेडिट-कोई एक)	2 पाठ्यचर्या x 4 क्रेडिट = 8 क्रेडिट 3 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट = 6 (परियोजना कार्य - 4 क्रेडिट और/अथवा चौथे सेमेस्टर में)	1 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट=2 क्रेडिट 1 पाठ्यचर्या x 4 क्रेडिट=4 क्रेडिट अथवा 3 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट=6 क्रेडिट

बी.एड.	4	80 (20 x 4) 56 (70% अपने विभाग से) + 24 (30% अन्य विभागों से)	1 क्रेडिट = 30 घंटे	1.कंप्यूटर अनुप्रयोग-2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) 2. चयनित भाषा पाठ्यचर्या- 4 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	1. भारतीय चिंतक 2. पर्यावरण 3. मानवाधिकार 4. भारत का संविधान (4 क्रेडिट-कोई एक)	2 पाठ्यचर्या x 4 क्रेडिट=8 क्रेडिट 3 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट=6 क्रेडिट (परियोजना कार्य - 4 क्रेडिट तीसरे और/अथवा चौथे सेमेस्टर में)	1 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट=2 क्रेडिट 1 पाठ्यचर्या x 4 क्रेडिट=4 क्रेडिट अथवा 3 पाठ्यचर्या x 2 क्रेडिट=6 क्रेडिट
स्नातक पाठ्यक्रम	6	120 (20 x 6)	1 क्रेडिट = 30 घंटे			मुख्य विषय 14 क्रेडिट	सहायक विषय 6 क्रेडिट (3 + 3 क्रेडिट)
.जी.डिप्लोमा	2	40	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	पाठ्यचर्या - 16 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर मौखिकी- 4 क्रेडिट परियोजना कार्य- 4 क्रेडिट (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	....
एडवांस्ड डिप्लोमा (भाषा)	6	60	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	पाठ्यचर्या- 8 क्रेडिट मौखिकी- 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	....
डिप्लोमा	2	20	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	पाठ्यचर्या- 8 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर मौखिकी/परियोजना कार्य- 4 क्रेडिट (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	....
डिप्लोमा (भाषा)	4	40	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	पाठ्यचर्या- 8 क्रेडिट मौखिकी- 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	....
सर्टिफिकेट (भाषा)	2	20	1 क्रेडिट = 30 घंटे	....	....	पाठ्यचर्या- 8 क्रेडिट मौखिकी- 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	....

टिप्पणी :

1. च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रस्तुत ढाँचा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में तैयार किया गया है।
2. एक अकादमिक वर्ष में 2 सेमेस्टर होंगे। सेमेस्टर की अवधि का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।
3. प्रश्नपत्र (PAPER) के लिए पाठ्यचर्या (COURSE) शब्द का प्रयोग किया गया है।
4. क्रेडिट पाठ्यचर्या के मूल्यांकन की इकाई है, जिसका मान-निर्धारण कार्य-दिवसों के बजाय निर्धारित वास्तविक शिक्षण/अध्ययन के घंटों पर किया गया है।
5. एक क्रेडिट के लिए प्रति सेमेस्टर 30 घंटे निर्धारित हैं। इसका विभाजन इस प्रकार है :

   (क) अध्यापन - 15 घंटे

   (i) कक्षा अध्यापन - 10 घंटे

   (ii) प्रयोगशाला/ट्यूटोरियल/सेमिनार आदि - 05 घंटे

   (ख) विद्यार्थी द्वारा अध्ययन - 15 घंटे (स्वाध्याय, पुस्तकालय, क्षेत्र कार्य आदि)
6. अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या 2 अथवा 4 क्रेडिट की होगी । पाठ्यचर्याओं का निर्धारण संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा। अनिवार्य एवं ऐच्छिक में 2 और 4 क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या रखी जानी चाहिए।
7. अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के बीच 70 : 30 का अनुपात रखा गया है।
8. विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 3 : 1 (75/25) का अनुपात होगा। प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए परीक्षा प्रणाली (लिखित परीक्षा हेतु) इस प्रकार होगी :

(i)	दीर्घउत्तरीय/वर्णनात्मक	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
(ii)	लघुउत्तरीय	6 प्रश्नों में से 5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 05 अंक
(iii)	बहुविकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 01 अंक
	....	....	**कुलः 75 अंक**

अंकों का ग्रेड प्वाइंट/क्रेडिट प्वाइंट में रूपांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में 10 प्वाइंट स्केल पर निम्नानुसार किया जाएगा-

Sl.	Grade letter allotted	Grade Description/ Performance	Numerical value for Grade	Number value for Grade Point (GP)	Percentage of marks converted into Grade
1	O	Outstanding	10	**9.5 – 10.0**	**95% – 100%**
2	A+	Excellent	9	**8.5 – 9.4**	**85% – 94%**
3	A	Very Good	8	**7.5 – 8.4**	**75% – 84%**
4	B+	Good	7	**6.5 – 7.4**	**65% – 74%**
5	B	Above average	6	**5.5 – 6.4**	**55% – 64%**
6	C	Average	5	**4.5 –5.4**	**45% – 54%**
7	P	Pass	4	**4.0 – 4.4**	**40% – 44%**
8	F	Fail	0	**0.0 – 3.9**	**0 – 39%**
9	Ab	Absent	0	**0**	**Nil**

9. कोई भी विद्यार्थी प्रत्येक सेमेस्टर में 4 क्रेडिट (20%) की अतिरिक्त पाठ्यचर्या का अध्ययन कर सकेगा जिसका उल्लेख प्रमाणपत्र/ग्रेड-शीट पर होगा, किंतु उसे मूल परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।

10. एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर और भाषा की कक्षाएँ दो-दो समेस्टर की होंगी। विद्यार्थी कंप्यूटर और भाषा की अनिवार्य पाठ्यचर्या के पहले सेमेस्टर की परीक्षा तीसरे सेमेस्टर में एवं दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा चौथे सेमेस्टर में दे सकता है। एम.ए. उपाधि के लिए ये पाठ्यचर्याएं अनिवार्य हैं। आधार पाठ्यचर्या (अनिवार्य और ऐच्छिक) के लिए निर्धारित क्रेडिट का समायोजन संबंधित विभाग द्वारा मूल (CORE) एवं ऐच्छिक के लिए कुल निर्धारित 20 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर में से ही किया जाएगा ।

11. भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा स्वतंत्र और एकीकृत दोनों पाठ्यक्रम हैं। कोई भी विद्यार्थी चाहे तो सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा स्तर पर अपना अध्ययन छोड़ सकता है अथवा जारी रख सकता है।

12. किसी भी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा प्राप्त स्नातक (न्यूनतम अर्हता होने पर) संबंधित भाषा में एम.ए. में प्रवेश के पात्र होंगे।

13. स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक वानिकी और अधिकार/कर्त्तव्य जागरूकता कार्यक्रम जैसी कुछ क्रेडिट रहित पाठ्यचर्याएं भी होंगी। ऐसी पाठ्यचर्याओं में भागीदारी संतोषजनक श्रेणी में होना आवश्यक है।

बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम : ऐच्छिक विषय समूह

क्र.सं.	मूल पाठ्यक्रम	ऐच्छिक विषय समूह 01	ऐच्छिक विषय समूह 02
1	बी.ए. हिंदी (ऑनर्स)	हिंदी/अंग्रेजी/चीनी/जापानी/ फ्रेंच/स्पेनिश/संस्कृत/ मराठी/उर्दू	मानवविज्ञान/मनोविज्ञान/ पत्रकारिता एवं जनसंचार/समाजशास्त्र/ राजनीति विज्ञान/इतिहास/भाषाविज्ञान
2	बी.ए.अंग्रेजी (ऑनर्स)		
3	बी.ए. मानवविज्ञान (ऑनर्स)		
4	बी.ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स)		
5	बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (ऑनर्स)		
6	बी.ए.मनोविज्ञान (ऑनर्स)		
7	बी.ए. चीनी (ऑनर्स)		
8	बी.ए. जापानी (ऑनर्स)		
9	बी.ए. फ्रेंच (ऑनर्स)		
10	बी.ए. स्पेनिश (ऑनर्स)		
11	बी.ए. राजनीति विज्ञान (ऑनर्स)		
12	बी.ए. समाजशास्त्र (ऑनर्स)		
13	बी.ए. इतिहास (ऑनर्स)		

नोटः मूल पाठ्यक्रम के साथ ऐच्छिक विषय समूह 01 से किसी एक विषय तथा ऐच्छिक विषय समूह 02 से किसी एक विषय का अध्ययन करना प्रथम चार सेमेस्टर के दौरान अनिवार्य होगा। अंतिम दोनों सेमेस्टर में केवल मूल पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य होगा।

बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर	पंचम सेमेस्टर	षष्ठ सेमेस्टर
आधार पाठ्यक्रम कंप्यूटर **(कुल 02 क्रेडिट)**	**आधार पाठ्यक्रम** पर्यावरण **(कुल 02 क्रेडिट)**	**आधार पाठ्यक्रम** हिंदी भाषा **(कुल 02 क्रेडिट)**	**आधार पाठ्यक्रम** अंग्रेजी/अन्य विदेशी भाषा **(कुल 02 क्रेडिट)**	**आधार पाठ्यक्रम** भारतीय संस्कृति **(कुल 02 क्रेडिट)**	**आधार पाठ्यक्रम** मानवाधिकार/भारतीय संविधान **(कुल 02 क्रेडिट)**
मूल पाठ्यक्रम 1 प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**
ऐच्छिक पाठ्यक्रम 1 प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**
ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2 प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**	**मूल पाठ्यक्रम 1** प्रश्नपत्र 1 (04 क्रेडिट) प्रश्नपत्र 2 (02 क्रेडिट) **(कुल 06 क्रेडिट)**
20 क्रेडिट	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**

विभिन्न विभागों / पाठ्यक्रमों संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए
विश्वविद्यालय की वेबसाइट : www.hindivishwa.org पर लॉगइन करें।

विश्वविद्यालय महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित है; अतः प्रवेशार्थियों से यह अपेक्षा होगी कि वे गांधी की आचार-पद्धति और गांधीवादी मूल्यों के प्रति सम्मानशील रहेंगे।

प्रवेश के नियम

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु पृथक आवेदन करना होगा।
2. समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया से होंगे। प्रक्रिया का विवरण संबंधित पाठ्यक्रम के साथ अंकित है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं विवरणिका में उपलब्ध है।
3. विश्वविद्यालय के विद्यार्थी/शोधार्थी एक नियमित पाठ्यक्रम के साथ सिर्फ एक ही सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा अथवा पीजी डिप्लोमा अथवा एडवास्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे।
4. प्रवेशार्थी ने जिस पाठ्यक्रम के लिए आवेदन किया है, उससे भिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश पर विचार नहीं किया जाएगा।
5. **अभ्यर्थी द्वारा एक बार अध्ययन केंद्र एवं परीक्षा केंद्र चयन के पश्चात उनमें परिवर्तन का कोई अवसर नहीं दिया जाएगा न ही इस संबंध में किसी आवेदन पर विचार किया जाएगा।**
6. किसी विषय में उच्च डिग्री धारक को उसी विषय के निम्न डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
7. किसी भी पाठ्यक्रम की प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी अपने निजी उत्तरदायित्व पर प्रवेश-परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे, जब उन्होंने अर्हक परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा। उन्हें पंजीयन के लिए निश्चित समय-सीमा (प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा) से पूर्व अर्हक परीक्षा के अंतिम अंक पत्र सहित सभी दस्तावेज़ जमा कराने होंगे।
8. प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों/शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों का पालन करना बाध्यकारी होगा।
9. पी-एच.डी. के अभ्यर्थियों को अधिकतम 3000 शब्दों में निर्धारित शोध-क्षेत्र के अंतर्गत मानक प्रारूप में शोध-प्रस्ताव साक्षात्कार समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।
10. एम.फिल. एवं पी-एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर होगा जिसमें 80% अधिभार लिखित परीक्षा एवं 20% साक्षात्कार का होगा। अंतिम परिणाम हेतु मेरिट लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंकों को जोड़ कर तैयार की जाएगी। एम.फिल. तथा पी-एच.डी. की लिखित परीक्षा में 50% प्रश्न शोध प्रविधि तथा 50% विषय पर आधारित होंगे। लिखित परीक्षा के प्रश्न बहुविकल्पीय, लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय होंगे ।
11. पी-एच.डी. एवं एम.फिल. पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2016 तथा विश्वविद्यालय की विद्या-परिषद द्वारा स्वीकृत अद्यतन पी-एच.डी. एवं एम.फिल. अध्यादेश के अनुसार संचालित है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्वागत मेन्यू के अंतर्गत उपलब्ध पी-एच.डी. एवं एम.फिल. अध्यादेश का अवलोकन अवश्य करें।
12. शोध निर्देशक की उपलब्धता के आधार पर एम.फिल. तथा पी-एच.डी. की सीटें बढ़ाई अथवा घटाई जा सकती है। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।
13. **प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को मूल प्रवजन प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा से पूर्व जमा कराना अनिवार्य है। जो विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रवजन प्रमाण-पत्र जमा नहीं करा सकेंगे, उन एम.ए./एम.फिल. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा से पूर्व जमा कराना अनिवार्य होगा; अन्यथा परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पी-एच.डी.में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को इसके लिए प्रवेशोपरांत अधिकतम छः माह तक का समय दिया जाएगा, तदुपरांत प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।**
14. आवेदन के साथ स्वहस्ताक्षरित जाति प्रमाणपत्र तथा दिव्यांगता प्रमाणपत्र छोड़कर अन्य कोई दस्तावेज़ न भेजें।
15. चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों की एक प्रति अकादमिक विभाग में जमा करनी होगी तथा मूल प्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।
16. शैक्षणिक भ्रमण मद में प्राप्त राशि से ही शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। अतिरिक्त व्यय होने पर विद्यार्थी स्वयं वहन करेंगे।
17. शुल्क में किसी प्रकार का बदलाव सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से लागू होगा।
18. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क से छूट दी जाएगी।
19. विश्वविद्यालय परिसर अथवा छात्रावास में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में प्रवेश के समय स्वहस्ताक्षरित शपथपत्र देना अनिवार्य है।
20. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-प्रपत्र में दी गई सूचना गलत पाई जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
21. कोई भी शोधवृत्ति वित्तीय अनुदान प्रदान करने वाले अभिकरण की शर्तों और प्रक्रिया के अधीन देय होगी। पाठ्यक्रम अधूरा छोड़कर जानेवाले अभ्यर्थियों को प्राप्त छात्रवृत्ति/शोधवृत्ति की राशि विश्वविद्यालय को लौटानी होगी।
22. राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप/मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप/जेआरएफ/एसआरएफ प्राप्त अभ्यर्थियों को यू.जी.सी. अथवा संबंधित बैंक से फेलोशिप की राशि प्राप्ति में विलंब होने अथवा अन्य किसी भी परिस्थिति में नॉननेट सामान्य फेलोशिप विश्वविद्यालय द्वारा नहीं दी जाएगी।
23. **आरक्षण :** भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार देय होगा। सीटों की संख्या रिक्त होने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थान नियमानुसार अंतरपरिवर्तनीय होंगे।अनुसूचित जाति (15%), अनुसूचित जनजाति (7.5%), अन्य पिछड़ा वर्ग (27%), आर्थिक कमजोर वर्ग (10%) तथा दिव्यांग (5%) को (क्षैतिजीय आरक्षण/Horizontal Reservation) देय होगा।
24. **शिक्षण माध्यम :** विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम हिंदी है। अतः सभी प्रवेशार्थियों से हिंदी भाषा व्यवहार की सम्यक जानकारी अपेक्षित है।
25. **शुल्क वापसी :** पाठ्यक्रम से नाम वापस लेने की स्थिति में शुल्क की वापसी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शुल्क के प्रतिदाय तथा मूल प्रमाणपत्रों को प्रतिधारण के संबंध में जारी अधिसूचना अक्टूबर, 2018 के अनुसार होगी।
26. प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद की स्थिति में न्यायाधिकार क्षेत्र नागपुर होगा।

उपलब्ध सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है -

1. **छात्रावास :** नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता तथा वरीयता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास हेतु आवेदन पत्र प्रवेश के उपरांत कुलानुशासक कार्यालय अथवा संबंधित छात्रावास अधीक्षक द्वारा दिया जाएगा। छात्रावास आवंटन के पश्चात विद्यार्थियों को निर्धारित अग्रिम मेस शुल्क संबंधित छात्रावास अधीक्षक के पास जमा करना होगा।

2. **लीला (LILA) एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला :-**

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है। इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूर के अनिवार्य-शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

3. **केंद्रीय पुस्तकालय :**

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्यपुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाएँ एवं ऑनलाइन जर्नल भी उपलब्ध हैं।

4. **क्रीड़ा और खेलकूद :**

विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। विश्वविद्यालय ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक स्थायी क्रीड़ा स्थल विकसित किया है।

5. **विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्रः**

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित है।

प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम एवं अकादमिक कैलेंडर 2019-20

(क)	**प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम**	
1	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा/बीए/बी .वोक./ एम.ए./एमएसडब्ल्यू/ बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत) शुल्क सहित आवेदन करने तथा आवेदन प्राप्ति की तिथि	24 अप्रैल से 28 जून, 2019
2	पी-एच.डी./एम.फिल./एम.एड./एम.बी.ए./बी-एड. पाठ्यक्रम शुल्क सहित आवेदन करने तथा आवेदन प्राप्ति की तिथि	24 अप्रैल से 10 जून, 2019
3	पी-एच.डी./एम.फिल./एम.एड./एम.बी.ए./बी-एड. पाठ्यक्रमों हेतु प्राप्त आवेदनों की छानबीन	11 से 12 जून, 2019
4	पी-एच.डी./एम.फिल./एम.एड./एम.बी.ए./एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)/बी-एड लिखित परीक्षा	29 से 30 जून, 2019
5	पी-एच.डी./एम.फिल./एम.एड./एम.बी.ए./एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) बी-एड लिखित परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन	02 से 03 जुलाई, 2019
6	पी-एच.डी./एम.फिल. लिखित परीक्षा परिणाम की घोषणा	04जुलाई, 2019
7	पी-एच.डी./एम.फिल. हेतु साक्षात्कार तिथि	11 से 13 जुलाई, 2019
8	पी-एच.डी./एम.फिल./एम.एड./एम.बी.ए.एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) /बी-एड हेतु प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची	14 जुलाई, 2019
9	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा/बी.ए./बी.वोक/एम.ए./ एमएसडब्ल्यू/ बी.ए.-एम.ए. मानवविज्ञान (एकीकृत) हेतु प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची	11 से 14 जुलाई, 2019
10	समस्त पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश तथा शुल्क जमा करने की तिथि	14 से 19 जुलाई, 2019
(ख)	**अकादमिक कैलेण्डर**	
01	ग्रीष्मावकाश	11 मई से 28 जून, 2020
02	शैक्षणिक सत्र (तृतीय सेमेस्टर) (प्रथम सेमेस्टर)	1 जुलाई से 29 नवम्बर, 2019 22 जुलाई से 29 नवम्बर, 2019
03	सेमेस्टर अंतराल	30 नवम्बर से 08 दिसम्बर, 2019
04	शैक्षणिक सत्र (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)	09 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल, 2020
05	स्थापना दिवस	29 दिसम्बर
06	परीक्षा की तैयारी हेतु अवकाश (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर)	26 अक्टूबर से 07 नवम्बर, 2019
07	प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा	08 नवम्बर से 29 नवम्बर, 2019
08	खेल/सांस्कृतिक सप्ताह (एक सप्ताह)	जनवरी, 2020 (अंतिम सप्ताह)
09	परीक्षा की तैयारी हेतु अवकाश (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)	28 मार्च से 09 अप्रैल, 2020
10	द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा	10 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2020
11	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि (प्रथम/तृतीय सेमेस्टर)	26 अक्टूबर, 2019
12	टर्मपेपर/सेमिनार जमा करने की अंतिम तिथि (द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर)	28 मार्च, 2020
13	अध्ययन मंडल की बैठक	पहली बैठक : 01 से 28 फरवरी के मध्य दूसरी बैठक : 01 से 31 अगस्त के मध्य
14	स्कूल बोर्ड की बैठक	पहली बैठक : 01 से 31 मार्च के मध्य दूसरी बैठक : 01 से 30 सितम्बर के मध्य
15	विद्या-परिषद की बैठक	पहली बैठक : 01 से 30 अप्रैल के मध्य दूसरी बैठक : 01 से 31 अक्टूबर के मध्य

प्रवेश-परीक्षा का कार्यक्रम

परीक्षा तिथि व समय	पाठ्यक्रम का नाम	साक्षात्कार तिथि
29 जून, 2019 पूर्वाह्न 09 बजे से 12 बजे तक	एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी एम.फिल. हिंदी साहित्य एम.फिल. बौद्ध अध्ययन एम.फिल. जनसंचार पी-एच.डी. मानवविज्ञान पी-एच.डी. सोशलवर्क पी-एच.डी. शिक्षाशास्त्र एम.एड.	11 से 13 जुलाई, 2019 (एम.फिल./पी-एच.डी.)
29 जून, 2019 अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक	एम.फिल.कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स एम.फिल. स्त्री अध्ययन एम.फिल. दलित एवं जनजातीय अध्ययन एम.फिल. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन एम.फिल. मानवविज्ञान पी-एच.डी. स्पेनिश पी-एच.डी. चीनी पी-एच.डी. हिंदी साहित्य पी-एच.डी. गांधी एवं शांति अध्ययन	
30 जून, 2019 पूर्वाह्न 09 बजे से 12 बजे तक	एम.फिल. शिक्षाशास्त्र एम.फिल.परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एंड थिएटर) एम.फिल. स्पेनिश पी-एच.डी. अनुवाद अध्ययन पी-एच.डी. बौद्ध अध्ययन पी-एच.डी. जनसंचार एम.फिल. सोशल वर्क	
30 जून, 2019 अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक	एम.फिल. चीनी एम.फिल. अनुवाद अध्ययन एम.फिल. गांधी एवं शांति अध्ययन पी-एच.डी. इन्फोर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग पी-एच.डी. परफॉर्मिंग आर्ट्स (फ़िल्म एंड थिएटर) बी.एड. एम.टेक. (कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) एमबीए	

प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा केंद्र*	**वर्धा | दिल्ली | इलाहाबाद | कोलकाता**

*परीक्षा केंद्र, तिथि और समय में परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

विवरणिका सहित आवेदन-पत्र का शुल्क :	अना./अपिव. : रु. 300 | अजा/अजजा/दिव्यांग : रु. 200 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए : USD 25
आवेदन प्राप्त और जमा करने का पता	**सहायक कुलसचिव, अकादमिक विभाग,** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय पोस्ट-हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र) भारत टोल फ्री नम्बर: 1800 2332 141, ई-मेल: admissionmgahv@gmail.com वेबसाइट: www.hindivishwa.org

आवेदन-पत्र ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं।

वर्धा (महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय)

वर्धा महाराष्ट्र राज्य का एक जिला मुख्यालय है जो उपराजधानी नागपुर से लगभग 80 कि.मी. दूर नागपुर-मुंबई हाइवे पर स्थित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तपस्थली 'सेवाग्राम' वर्धा में ही स्थित है। वर्धा की अवस्थिति देश के लगभग बीचोबीच है। वर्धा पहुँचना बहुत आसान है। रेल, सड़क और वायु- तीनों मार्गों से यहाँ पहुँचा जा सकता है। रेलमार्ग से यह समूचे देश से जुड़ा है। यहाँ 'सेवाग्राम' और 'वर्धा' दो रेलवे स्टेशन हैं। यहाँ से लगभग 70 कि.मी दूरी पर नागपुर का बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है, जहाँ से देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ानें हैं।

चित्र-वीथिका

ज्ञान शांति मैत्री

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा – 442 001 (महाराष्ट्र) भारत

फोन : (07152) 251661, 230901

ई–मेल : admissionmgahv@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org